श्री वजियपुरम

स्रोत: द हिंदू

हाल ही में भारत सरकार ने **केंद्रशासति प्रदेश अंडमान और नकिोबार द्वीप समूह** की राजधानी **पोर्ट ब्लेयर** का नाम बदलने की घोषणा की।

- यह नया नाम, 'श्री वजियपुरम' हमारे स्वाधीनता के संघर्ष और इसमें अंडमान और नकिोबार के योगदान को दर्शाता है।
- **पोर्ट ब्लेयर का इतिहास:** अंडमान द्वीप समूह 11 वीं शताब्दी में **राजेंद्र चोल प्रथम के अधीन चोल साम्राज्य** के लिये एक रणनीतिक नौसैनिक अड्डे के रूप में कार्य करता था , जिन्होंने **श्रीविजय साम्राज्य (वर्तमान इंडोनेशिया) पर आक्रमण किया था** , जो भारत के इतिहास में एक अद्वितीय सैन्य घटना थी।
    - श्रीविजय पर चोल आक्रमण को **चोल प्रभुत्व का विस्तार और व्यापार मार्गों की सुरक्षा के प्रयास के रूप में देखा गया।**
    - **पोर्ट ब्लेयर का नाम ब्रिटिश नौसेना अधिकारी आर्चीबाल्ड ब्लेयर के नाम पर रखा गया, जो** ब्रिटिश शासन के दौरान, विशेष रूप से वर्ष **1857 के विद्रोह के बाद** एक **दंडात्मक उपनिवेश** और उत्पीड़न के प्रतीक के रूप में था।
        - **भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन** के समय वर्ष 1906 में **काला पानी के नाम से** एक विशाल सेलुलर जेल की स्थापना की गई, जहाँ **वीर दामोदर सावरकर** सहित कई स्वतंत्रता सेनानियों को रखा गया था।
    - 30 दिसंबर, 1943 को **नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने** पोर्ट ब्लेयर में भारतीय भूमि पर पहली बार राष्ट्रीय ध्वज फहराया।
- अंडमान और नकिोबार द्वीप समूह **बंगाल की खाड़ी में रणनीतिक रूप से स्थित है , जो संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (United Nations Convention on the Law of the Sea - UNCLOS) के तहत पर्याप्त समुद्री स्थान प्राप्त है, जो** पूर्व से आने वाले किसी भी **समुद्री खतरे** के विरुद्ध महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

और पढ़ें..... अंडमान और नकिोबार द्वीप समूह का सामरिक महत्त्व

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sri-vijaya-puram